

भारत की अर्थव्यवस्था: वैश्विक जीडीपी रैंकिंग में उतार-चढ़ाव

चर्चा / समाचार

- ताज़ा अनुमान: 'World Economic Outlook (अप्रैल 2026)' के अनुसार, वर्ष 2026 में भारत के **छठी (6th)** सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहने का अनुमान है — चौथे स्थान की बजाय।
- तुलनात्मक आंकड़े (Nominal GDP, 2026): जापान ~\$4.38 ट्रिलियन | यूके ~\$4.27 ट्रिलियन | **भारत ~\$4.15 ट्रिलियन**

पाठ्यक्रम प्रासंगिकता

- **GS Paper III (अर्थव्यवस्था)**: नॉमिनल जीडीपी बनाम PPP; विनिमय दर गतिशीलता; सांख्यिकीय सुधार (Base Year Revision)।
- **GS Paper II (शासन व्यवस्था)**: पारदर्शी और सटीक सांख्यिकीय प्रणालियों का महत्व — डेटा विश्वसनीयता।

भारत के खिसकने के मुख्य कारण

भारत की रैंकिंग में इस गिरावट के पीछे कोई आर्थिक मंदी नहीं — बल्कि **तकनीकी/सांख्यिकीय कारण** हैं:

A. सांख्यिकीय संशोधन

- फरवरी 2026: जीडीपी आधार वर्ष **2011-12 → 2022-23**
- प्रभाव: जीडीपी ₹357 ट्रिलियन → **₹345 ट्रिलियन** (~3-4% गिरावट)

B. मुद्रा अवमूल्यन

- FY26 में रुपया डॉलर के मुकाबले **~10-11% गिरा**
- जापानी येन ~10% मजबूत हुआ
- ब्रिटिश पाउंड ~2% मजबूत हुआ

C. वैश्विक अनिश्चितता

- **व्यापारिक चुनौतियाँ**: अमेरिकी टैरिफ और व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता
- **वैश्विक झटके**: यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) संघर्ष

वैश्विक रैंकिंग की स्थिति — 2026 (Nominal GDP)

रैंक	देश	नॉमिनल जीडीपी (Nominal GDP)
1st	अमेरिका (USA)	~\$32.38 ट्रिलियन
2nd	चीन	~\$20.85 ट्रिलियन
3rd	जर्मनी	~\$5.45 ट्रिलियन
4th	जापान	~\$4.38 ट्रिलियन
5th	यूके (UK)	~\$4.27 ट्रिलियन
6th	भारत ★	~\$4.15 ट्रिलियन

रैंक बनाम वास्तविक आर्थिक विकास

मजबूत घरेलू गति

भारत **~6.4-6.5% विकास दर** के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल — रैंकिंग में छठे पर होने के बावजूद।

मूल्यांकन बनाम वास्तविक ताकत

नॉमिनल GDP रैंकिंग केवल **मुद्रा के मूल्यांकन** को दर्शाती है — **वास्तविक आर्थिक ताकत को नहीं।**

► **भविष्य का आउटलुक — IMF अनुमान (Recovery Outlook)**

IMF के अनुसार यह गिरावट केवल एक **अल्पकालिक सांख्यिकीय बदलाव** है, न कि कोई संरचनात्मक मंदी।

- 2027** अस्थायी प्रभावों के स्थिर होने पर भारत दोबारा **चौथी (4th) पोजीशन** (~\$4.5+ ट्रिलियन) हासिल कर लेगा।
- 2029** भारत **\$5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था** का मील का पथर छू लेगा।
- 2031** भारत **जर्मनी को पीछे छोड़कर** दुनिया की **तीसरी (3rd) सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था** बन जाएगा।

► **रैंकिंग से अधिक महत्वपूर्ण — घरेलू सुधार एजेंडा**

सतत विकास

- विश्व बैंक के अनुसार 2015-19 में **13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर**
- PLI योजनाएं: ~₹1.91 लाख करोड़
- Capex: बजट 2024-25 में ₹11 लाख करोड़

झटकों से निपटने की क्षमता

- मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार (~\$700 बिलियन)
- संरचनात्मक मजबूती — बुनियादी ढांचे में निवेश

► **भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव (सबक)**

- मुद्रा के प्रति संवेदनशीलता — रुपये की स्थिरता जरूरी
- डेटा की विश्वसनीयता — सांख्यिकीय सुधारों की सटीकता
- सुधारों की तात्कालिकता — संरचनात्मक बदलाव जरूरी
- लचीलेपन की अनिवार्यता — वैश्विक झटकों से सुरक्षा

► **आगे की राह (Way Forward)**

- **क्षेत्रीय सुधार:** बिजली और उर्वरक क्षेत्रों में सुधार (उर्वरक सब्सिडी ₹1.7 लाख करोड़ को तर्कसंगत बनाना)
- **निर्यात को बढ़ावा देना** — FTA, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी
- **मुद्रा स्थिरता:** \$700 बिलियन भंडार का कुशलतापूर्वक उपयोग
- **झटकों से निपटने की तैयारी** — नीतिगत लचीलापन

► **निष्कर्ष**

भारत की रैंकिंग में यह गिरावट केवल **अस्थायी (Temporary)** है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा — **"Reform, Perform, Transform"** का मंत्र ही देश के सतत विकास और वैश्विक आर्थिक मंच पर भारत की मजबूत स्थिति को सुनिश्चित करेगा।

► **प्रीलिम्स के लिए महत्वपूर्ण तथ्य**

💡 **Prelims Pointers**

- **WEO रिपोर्ट:** IMF द्वारा वर्ष में **दो बार** (अप्रैल और अक्टूबर) प्रकाशित।
- **PPP रैंकिंग:** क्रय शक्ति समता में भारत दुनिया की **तीसरी** सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था।
- **नया आधार वर्ष:** भारत का नया जीडीपी आधार वर्ष → **2022-23**।
- **रैंकिंग बदलने का मुख्य कारण:** विकास दर में गिरावट नहीं — बल्कि **विनिमय दर में उतार-चढ़ाव** और **जीडीपी का सांख्यिकीय संशोधन**।